सीएसआईआर – सीरी में “एक सप्ताह - एक प्रयोगशाला” कार्यक्रम

प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी, वैज्ञानिक कार्यशालाओं और किसान मेला का आयोजन

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं एमओयू और एनडीए भी हुए

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एवं उपाध्यक्ष, सीएसआईआर, डॉ. जितेंद्र सिंह तथा सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ (श्रीमती) एन कलैसेल्वी के विचारों को मूर्तरूप देते हुए सीएसआईआर- केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी) में दिनांक 15 – 19 मई, 2023 के दौरान सीएसआईआर के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम ‘**एक सप्ताह - एक प्रयोगशाला (वन वीक - वन लैब)**’ का आयोजन किया गया। विदित ही है कि माननीय डॉ जितेन्द्र सिंह जी ने सीएसआईआर स्थापना दिवस 2022 के अवसर पर नई दिल्ली में "वन वीक - वन लैब" नामक देशव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की थी जिसके अनुसार सीएसआईआर की सभी राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं अपनी शोध उपलब्धियों एवं गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए इस अभियान में अपना योगदान देंगी। संस्थान में सप्ताहपर्यन्त आयोजित किए गए इस कार्यक्रम के दौरान दिनांक 16 मई को सूक्ष्मतरंग प्रौद्योगिकियाँ, 17 मई को आर्टिफीशियल इंटेलिजेन्स व 18 मई को सेमिकंडक्टर मैटीरियल्स, डिवाइसेज़ एवं सिस्टम्स पर वैज्ञानिक कार्यशालाएं तथा दिनांक 19 मई को किसान मेला आयोजित किया गया। संस्थान में उपर्युक्त अवधि के दौरान कुल 08 समझौता ज्ञापन/ प्रोटोटाइप हस्तांतरणअप्रकटीकरण समझौतों का आदान-प्रदान हुआ। इस संपूर्ण आयोजन में उद्योग और स्टार्ट-अप के प्रतिनिधि, वैज्ञानिक-छात्र, शोधार्थी किसान एवं अन्य लोग सम्मिलित हुए। संस्थान में आयोजित ‘सीएसआईआर के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम’ का समन्वयन श्री प्रमोद तँवर, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमई ने किया।

उद्घाटन सत्र

कार्यक्रम का शुभारंभ 15 मई, 2023 को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिट्स-पिलानी के कुलपति प्रोफेसर वी रामगोपाल राव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सीएसआईआर-सीरी के पूर्व निदेशक एवं बिट्स- पिलानी में वरिष्ठ इमेरिटस प्रोफेसर डॉ चंद्रशेखर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संस्थान के मुख्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने की। यूट्यूब के माध्यम से इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। इस अवसर पर संस्थान सहकर्मियों के साथ-साथ प्रो. एस के बराई, निदेशक, बिट्स-पिलानी सहित स्थानीय शिक्षण संस्थाओं के अधिकारी एवं स्थानीय गणमान्यजन भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान मंचस्थ अतिथिगण एवं मुख्य सभागार में उपस्थित अतिथिगण व सहकर्मी (नीचे)

मुख्य अतिथि **प्रोफेसर वी रामगोपाल राव** ने इस अवसर पर अपने संबोधन में निदेशक, सीएसआईआर-सीरी एवं संस्थान के सभी सहकर्मियों को इस कार्यक्रम के आयोजन की बधाई दी। उन्होंने देश की वैज्ञानिक एवं औद्योगिक प्रगति में सीरी और बिट्स के योगदान की चर्चा की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा सीरी और बिट्स में पिलानी को विश्व पटल पर स्थापित करने की क्षमता है और वे यह प्रयास करेंगे कि दोनों संस्थान मिल कर इस दिशा में कार्य करें। अपने संबोधन में उन्होंने बिट्स-पिलानी और सीएसआईआर-सीरी के ऐतिहासिक संबंधों को भी रेखांकित किया।

मुख्य अतिथीय संबोधन देते हुए प्रोफेसर वी रामगोपाल राव,
ग्रुप वाइस चांसलर, बिट्स-पिलानी

विशिष्ट अतिथीय संबोधन देते हुए प्रोफेसर चंद्रशेखर, पूर्व निदेशक,
सीएसआईआर-सीरी एवं सीनियर इमेरिटस प्रोफेसर, बिट्स-पिलानी

विशिष्ट अतिथि एवं संस्थान के पूर्व निदेशक **प्रोफेसर चंद्रशेखर** ने देश में सीएसआईआर-सीरी के योगदान एवं शोध उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि एक साथ कई प्रौद्योगिकियों का हस्तांतरण सुखद अनुभूति देने वाला है। उन्होंने कहा कि उद्योगों एवं सामान्य उपभोक्ताओं की जरूरतें पूरी करने के लिए उत्कृष्ट इंजीनियर या वैज्ञानिक होने के साथ-साथ नवाचारी होना भी जरूरी है। उन्होंने संस्थान के निदेशक डॉ पंचारिया के नेतृत्व में वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना करते हुए युवा वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे बदलती वैश्विक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

स्वागत संबोधन देते हुए डॉ पी सी पंचारिया,
निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

इससे पूर्व अपने **स्वागत संबोधन** में संस्थान के निदेशक **डॉ पी सी पंचारिया** ने कहा कि केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एवं उपाध्यक्ष, सीएसआईआर, डॉ. जितेंद्र सिंह ने विगत वर्ष सीएसआईआर स्थापना दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में "वन वीक - वन लैब" नामक देशव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की थी जिसके अंतर्गत देश भर में फैली सीएसआईआर की 37 प्रयोगशालाएं अपनी विरासत, विशिष्ट वैज्ञानिक नवाचारों और प्रौद्योगिकीय उपलब्धियों को हर सप्ताह प्रदर्शित कर रही हैं। अपने संबोधन में उन्होंने संस्थान द्वारा हाल ही में विकसित कुछ प्रमुख प्रौद्योगिकियों एवं शोध गतिविधियों की जानकारी दी।

कॉफी टेबल बुक (सीएसआईआर-सीरी का संक्षिप्त परिचय) का विमोचन करते हुए अतिथिगण

नए प्रतीक चिह्न (लोगो) व कॉफी टेबल बुक का विमोचन

उद्घाटन सत्र में अतिथियों द्वारा संस्थान के नए लोगो एवं कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। पुस्तिका में संस्थान द्वारा विगत 70 वर्षों में अर्जित प्रमुख उपलब्धियों का संक्षिप्त एवं सचित्र उल्लेख किया गया है। अतिथियों ने नए प्रतीक चिह्न (लोगो) एवं कॉफी टेबल बुक के रूप में प्रकाशित संस्थान के विगत 70 वर्षों के संक्षिप्त इतिहास के प्रकाशन की सराहना की।

समझौता ज्ञापनों एवं एनडीए का आदान-प्रदान करते हुए संस्थान के अधिकारीगण एवं उद्यमी

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण/समझौता ज्ञापन/एनडीए आदि

इस अवसर पर संस्थान द्वारा विकसित निम्नलिखित प्रौद्योगिकियों का उद्योगों को प्रौद्योगिकी/प्रोटोटाइप हस्तांतरण/समझौता ज्ञापन/एनडीए का आदान-प्रदान किया गया :

1. आईओटी एनेबल्ड स्मार्ट वाच फॉर मॉनीटरिग वाइटल हेल्थ पैरामीटर्स – मे. मेडिमाइनर्स इंडिया प्रा. लि., हैदराबाद

2. आईओटी एनेबल्ड कॉल्पोस्कोप फॉर प्री-स्टेज स्क्रीनिग ऑफ सर्वाइकल कैंसर - मेसर्स डिवाइन मेडिटेक, नौएडा

3. इनके अलावा संस्थान ने मेसर्स पैनेशिया टेक्नोलॉजीज़ प्रा. लि., बैंगलुरू; मेसर्स वी के इंडस्ट्रीज़, पिलानी तथा एस के आई टी - जयपुर से समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया।

4. साथ ही, इस अवसर पर मेसर्स ड्रोनटेक, मुंबई से अप्रकटीकरण समझौते (एनडीए) का भी आदान-प्रदान किया गया।

5. थर्मिओनिक डिस्पेन्सर कैथोड के प्रोटोटाइप का हस्तांतरण - मेसर्स पैनेशिया टेक्नोलॉजीज़ प्रा. लि., बैंगलुरू

अतिथि सम्मान (स्मृति चिह्न भेंट)

कार्यक्रम के दौरान डॉ पी सी पंचारिया ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा इस अवसर की गरिमा बढ़ाने के लिए अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। उद्घाटन सत्र के अंत में कार्यक्रम के संयोजक **डॉ सुचंदन पाल**, मुख्य वैज्ञानिक ने **धन्यवाद ज्ञापित** किया। उद्घाटन सत्र का संचालन **डॉ राजेन्द्र कुमार वर्मा,** वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं **डॉ मनिन्दर कौर,** वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने किया।

प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी

एक सप्ताह - एक प्रयोगशाला कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों एवं उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। उद्घाटन सत्र के उपरांत अतिथियों ने प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का अवलोकन किया।

प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए अतिथिगण

प्रोफेसर रामगोपाल राव एवं प्रोफेसर चंद्रशेखर ने डॉ पंचारिया के नेतृत्व में संस्थान की वैज्ञानिक प्रगति की सराहना की। संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने प्रोफेसर रामगोपाल राव, प्रोफेसर चंद्रशेखर एवं प्रोफेसर बराई को संस्थान की प्रमुख प्रयोगशालाओं एवं प्रीसीजन कृषि स्टेशन का परिदर्शन कराया।

संस्थान के सटीक कृषि प्रायोगिक केंद्र में पौधारोपण करते हुए
प्रोफेसर वी रामगोपाल राव, ग्रुप वाइस चांसलर, बिट्स-पिलानी

पौधारोपण

संस्थान की प्रयोगशालाओं एवं शोध गतिविधियों के अवलोकन के उपरांत प्रोफेसर रामगोपाल राव, प्रोफेसर चंद्रशेखर एवं प्रोफेसर बराई ने संस्थान के सटीक कृषि प्रायोगिक केंद्र में पौधारोपण भी किया।

प्रेस वार्ता

इससे पूर्व दिनांक 12 मई, 2023 को मीडिया के माध्यम से कार्यक्रम की जानकारी आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधियों को वन वीक वन लैब कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी और उन। उन्होंने हित में सीएसआईआर के इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार का अनुरोध किया।

मीडियाकर्मियों से चर्चा करते हुए डॉ पी सी पंचारिया,
निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

सूक्ष्म तरंग प्रौद्योगिकी पर कार्यशाला
(दिनांक 16.05.2023)

वन वीक – वन लैब कार्यक्रम के दौरान दिनांक 16.05.2023 को सूक्ष्मतरंग प्रौद्योगिकियों पर वैज्ञानिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नेशनल एटमॉस्फियरिक रिसर्च लैब, आंध्रप्रदेश के निदेशक डॉ ए के पात्रा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एमटीआरडीसी के डॉ एस के दत्ता, वैज्ञानिक – एच उपस्थित थे। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों के की-नोट व्याख्यानों के अलावा माइक्रोवेव ट्यूब्स प्रौद्योगिकी पर आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किए गए। कार्यशाला में संस्थान के वैज्ञानिकों, परियोजना कार्मिकों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

कार्यशाला का शुभारंभ डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी के स्वागत संबोधन के साथ हुआ। अपने स्वागत संबोधन में उन्होंने संस्थान के वन वीक वन लैब कार्यक्रम में प्रतिभागिता के लिए सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने माइक्रोवेव ट्यूब्स क्षेत्र में संस्थान की शोध गतिविधियों की संक्षेप में चर्चा की। इसके बाद कार्यशाला के संयोजक डॉ एस के घोष, मुख्य वैज्ञानिक ने अपने व्याख्यान में संस्थान के माइक्रोवेव ट्यूब्स एरिया की शोध

गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यशाला में दो तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया।

तकनीकी सत्र 1

सत्राध्यक्ष : डॉ ए के पात्रा, निदेशक, नेशनल एटमॉस्फियरिक रिसर्च लैब, आंध्रप्रदेश

की-नोट व्याख्यान देते हुए मुख्य अतिथि डॉ ए के पात्रा, निदेशक, एनएआरएल, आंध्रप्रदेश

की – नोट व्याख्यान – 1

विषय : रेडियो एंड माइक्रोवेव इंस्ट्रुमेन्टेशन इन एटमॉस्फियरिक रिसर्च – करेंट ट्रेंड

वक्ता : डॉ ए के पात्रा, निदेशक, नेशनल एटमॉस्फियरिक रिसर्च लैब, आंध्रप्रदेश

आमंत्रित व्याख्यान - 1

विषय : इंडियाज़ ह्यूमन स्पेस फ्लाइट - गगनयान

वक्ता : डॉ अनुराग वर्मा, स्पेस एप्लिकेशन सेन्टर (इसरो), अहमदाबाद

आमंत्रित व्याख्यान - 2

विषय : हाईपावर आरएफ एंड माइक्रोवेव टेक्नोलॉजीज फॉर हीटिंग एंड करंट ड्राइव इन प्लाज़्माज़ एट आईपीआर **वक्ता** : डॉ प्रमोद के. शर्मा, प्रमुख, एल एच सी डी डिवीज़न, इंडियन प्लाज़्मा रिसर्च (आईपीआर)

तकनीकी सत्र - 2

सत्राध्यक्ष : डॉ एस के दत्ता, वैज्ञानिक एच, एमटीआरडीसी, बैंगलूरु

की – नोट व्याख्यान – 2

विषय : टु-बी ऑर नॉट टु-बी – दैट इज़ द क्वेश्चन

वक्ता : डॉ एस के दत्ता, वैज्ञानिक एच, एमटीआरडीसी, बैंगलूरु

आमंत्रित व्याख्यान - 3

विषय : चैलेन्जेज़ एंड न्यू डिज़ाइन्स फॉर फोकसिंग एलिमेन्ट्स इन वैक्यूम इलेक्ट्रॉन डिवाइसेज़

वक्ता : डॉ कुमुद सिंह, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), मुंबई

आमंत्रित व्याख्यान - 4

विषय : माइक्रोवेव ट्यूब्स - मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेसेज़ चैलेन्जेज़ एंड फ्यूचर

वक्ता : श्री एस सेन्थिल कुमार, वरिष्ठ महाप्रबंधक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बेल)

इससे पूर्व आरंभ में कार्यशाला के संयोजक **डॉ संजय कुमार घोष**, मुख्य वैज्ञानिक ने सीएसआईआर-सीरी में सूक्ष्मतरंग प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किए गए प्रमुख शोध कार्यों पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान में चल रही गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन **डॉ राजेन्द्र कुमार वर्मा**, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया।

प्रोफेसर चंद्रशेखर को 'वेदा' लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड से सम्मानित करते हुए डॉ पंचारिया एवं अन्य अधिकारीगण

प्रोफेसर चंद्रशेखर को 'वेदा' लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड

कार्यशाला के दौरान संस्थान के पूर्व निदेशक प्रोफेसर चंद्रशेखर को वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़ एंड एप्लिकेशन' (VEDA) सोसाइटी द्वारा '**लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड'** से सम्मानित किया गया।

आर्टिफीशियल इंटेलिजेन्स पर कार्यशाला

(दिनांक : 17.05.2023)

एक सप्ताह - एक प्रयोगशाला (वन वीक – वन लैब) कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 17.05.2023 आर्टिफीशियल इंटेलिजेन्स पर वैज्ञानिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर

पर मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी-जोधपुर के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधुरी (पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीरी) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ (श्रीमती) एन आनंदवल्ली, निदेशक, सीएसआईआर-एसईआरसी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने की। कार्यशाला में संस्थान के वैज्ञानिकों, परियोजना कार्मिकों एवं शोधार्थियों के साथ ए आई एवं अन्य उद्योगों के प्रतिनिधियों ने भी प्रतिभागिता की। कार्यशाला का शुभारंभ **डॉ पी सी पंचारिया,** निदेशक, सीएसआईआर-सीरी के **स्वागत संबोधन** के साथ हुआ। इस अवसर पर उन्होंने **ए आई** को देश की प्रौद्योगिकीय उन्नति का आधार बताते हुए अपने संस्मरण साझा किए। उन्होंने कहा कि एक वैज्ञानिक के रूप में उन्होंने नब्बे के दशक में देश के चाय उद्योग के ऑटोमेशन तथा इलेक्ट्रॉनिक टंग (जिह्वा) के विकास में ए आई का प्रयोग किया था।

कार्यशाला के शुभारंभ पर मुख्य अतिथीय संबोधन देते हुए
प्रोफेसर शांतनु चौधुरी, निदेशक,आईआईटी-जोधपुर

इस अवसर पर **प्रोफेसर शांतनु चौधुरी** ने मुख्य अतिथीय संबोधन में देश में आर्टिफीशियल इंटेलिजेन्स के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान में ए आई सभी प्रौद्योगिकियों में उपयोग की जा रही है। ए आई के लिए उन्नत प्रोसेसर्स और वीएलएसआई की आवश्यकता बताते हुए उन्होंने देश में चैट जीपीटी का उदाहरण दिया जो व्यापक पैमाने पर एआई का उपयोग कर रहा है। सीएसआईआर के एआई मिशन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सीएसआईआर देश में ए आई के क्षेत्र में मल्टीडिसीप्लिनरी और बहु-सांस्थानिक अनुसंधान एवं नवाचार का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार है जिसमें सीरी की भूमिका निर्णायक एवं महत्वपूर्ण होगी।

कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान देती हुई विशिष्ट अतिथि डॉ (श्रीमती)
एन आनंदवल्ली, निदेशक, सीएसआईआर-एसईआरसी, चेन्नै

विशिष्ट अतिथि डॉ (श्रीमती) एन आनंदवल्ली ने अपने संबोधन में स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में एआई के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ स्ट्रक्चरल एवं सिविल इंजीनियरिंग में भी ए आई का अनुप्रयोग बढ़ रहा है।

प्रोफेसर चौधुरी को पेन स्केच भेंट करते हुए श्री सत्यनारायण वर्मा,
पूर्व तकनीकी अधिकारी, सीएसआईआर-सीरी

प्रोफेसर शांतनु चौधुरी के मुख्य अतिथीय संबोधन के उपरांत संस्थान के पूर्व सहकर्मी एवं पेन्टर श्री सत्यनारायण वर्मा ने प्रोफेसर चौधुरी को उनका पेन स्केच भेंट किया।

कार्यशाला के दौरान सभागार में उपस्थित सहकर्मी

तकनीकी सत्र

अध्यक्ष : प्रोफेसर शांतनु चौधुरी, निदेशक, आईआईटी – जोधपुर

प्लेनेरी व्याख्यान

विषय : कौज़ेलिटी एंड मशीन लर्निंग

वक्ता : प्रोफेसर शांतनु चौधुरी, निदेशक, आईआईटी – जोधपुर

आमंत्रित व्याख्यान - 1

विषय : रोल ऑफ एआई इन सिविल इंजीनियरंग एंड स्ट्रक्चरल हेल्थ मॉनीटरिग

वक्ता : डॉ (श्रीमती) एन आनंदवल्ली, निदेशक, सीएसआईआर - एससीआरसी, चेन्नै

आमंत्रित व्याख्यान - 2

विषय : रीसेन्ट एडवांसमेन्ट्स इन एआई टेक्नीक्स फॉर डाटा क्लस्टरिग

वक्ता : प्रोफेसर कपिल आहुजा, आईआईटी-इन्दौर

आमंत्रित व्याख्यान - 3

विषय : रिसर्च कॉलेबोरेशन्स बिटवीन सीएसअसाईआर-सीरी एंड कॉग्निजेन्ट

वक्ता : श्री गुरप्रीत सिंह सचदेवा, सह-निदेशक, कॉग्निजेन्ट

कार्यशाला के अंत में कार्यशाला के संयोजक **डॉ संजय** सिंह, प्रधान वैज्ञानिक ने सीएसआईआर में ए आई मिशन की जानकारी दी तथा इसके अंतर्गत चल रही प्रमुख गतिविधियों से अवगत कराया। कार्यशाला का संचालन **सुश्री सोमशुक्ला माइति**, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया।

इलेक्ट्रॉनिक माइक्रोकंट्रोलर का परीक्षण हेतु औद्योगिक हस्तांतरण करते हुए डॉ वी ए बोले एवं संस्थान के वैज्ञानिक

संस्थान द्वारा विकसित इलेक्ट्रॉनिक माइक्रोकंट्रोलर का परीक्षण के लिए औद्योगिक हस्तांतरण

ए आई कार्यशाला के दौरान डॉ बी ए बोले एवं संस्थान के वैज्ञानिकों की टीम द्वारा विकसित इलेक्ट्रॉनिक माइक्रोकंट्रोलर को अगले चरण के परीक्षण के लिए मेसर्स अल्फासाइन प्रा. लि., लखनऊ को हस्तांतरित किया गया। यह इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर ई-ट्राइसाइकिल और ई-बाईसाइकिल में प्रयुक्त बीएलडीसी मोटर को चलाने के लिए उपयोग किया जाएता है। मेसर्स अल्फासाइन के श्री पी आर अग्रवाल को इलेक्ट्रॉनिक माइक्रोकंट्रोलर की पाँच यूनिट परीक्षण हेतु हस्तांतरित की गईं। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के मेड इन इंडिया मिशन के अंतर्गत यह इलेक्ट्रॉनिक माइक्रोकंट्रोलर संस्थान के वैज्ञानिकों एवं तकनीकी कार्मिकों की टीम द्वारा सीएसआईआर-सीरी में ही तैयार किया गया है। ई-ट्राइक और ई-साइकिल के लिए परीक्षण की रिपोर्ट के उपरांत इसे व्यावसायिक उत्पादन के लिए उद्योगों को हस्तांरित किया जाएगा।

मेसर्स के एच एक्सपोर्ट्स इंडिया के श्री तनवीर से एनडीए का आदान-प्रदान करते हुए डॉ मनीष मैथ्यु

लेदर इंडस्ट्री से एनडीए का आदान प्रदान

इस अवसर पर चेन्नै (तमिलनाडु) स्थित देश की सबसे बड़ी लेदर एक्सपोर्ट कंपनी **मेसर्स के एच एक्सपोर्ट्स इंडिया प्रा. लि.** के साथ **ए आई एनेबल्ड टेक्नोलॉजीज़ एंड सिस्टम्स** के विकास हेतु नॉन डिस्क्लोज़र एग्रीमेन्ट (एनडीए) का आदान प्रदान हुआ। एन डी ए पर संस्थान की ओर से टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस डेवलपमेन्ट ग्रुप के प्रमुख डॉ मनीष मैथ्यु एवं मेसर्स के एच एक्सपोर्ट्स इंडिया के श्री तनवीर ने हस्ताक्षर किए।

सेमिकंडक्टर मैटीरियल्स, डिवाइसेज़ एंड सिस्टम्स पर कार्यशाला (दिनांक : 18.05.2023)

संस्थान में सप्ताहपर्यन्त आयोजित किए गए 'वन वीक – वन लैब' कार्यक्रम के अंतर्गत 18 मई, 2023 को 'सेमिकंडक्टर मैटीरियल्स, डिवाइसेज़ एंड सिस्टम्स' पर वैज्ञानिक कार्यशाला

का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिट्स-पिलानी के ग्रुप वाइस चांसलर प्रोफेसर वी रामगोपाल राव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सीएसआईआर-एनपीएल, नई दिल्ली के निदेशक डॉ वेणुगोपाल अचंता उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने की। कार्यशाला में संस्थान के वैज्ञानिकों, परियोजना कार्मिकों एवं शोधार्थियों के साथ विषय-विशेषज्ञों ने भी प्रतिभागिता की। इस अवसर पर देश में सेमिकंडक्टर टेक्नोलॉजी के आगमन की चर्चा करते हुए डॉ पंचारिया ने सेमिकंडक्टर फैब्रिकेशन लैब के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा फैब्रिकेशन प्रयोगशालाओं की स्थापना से देश में क्रांतिकारी परिवर्तन होगा। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा शीघ्र ही जयपुर में गैलियम नाइट्राइड फैब्रिकेशन लैब तथा पिलानी में मेम्स फैब लैब की स्थापना की जाएगी। अपने स्वागत संबोधन में उन्होंने संस्थान के 'वन वीक वन लैब' कार्यक्रम में प्रतिभागिता के लिए सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला का संचालन **डॉ विजय चटर्जी**, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने किया।

सेमिकंडक्टर कार्यशाला में की-नोट व्याख्यान देते हुए
प्रोफेसर वी रामगोपाल राव, ग्रुप वाइस चांसलर, बिट्स-पिलानी

की-नोट व्याख्यान -1

विषय : लेवरेजिग द नेशनल सेमिकंडक्टर मिशन टु प्रोमोट डीप-टेक्नोलॉजी इनोवेशन्स इन अकैडमिया

वक्ता : प्रोफेसर वी रामगोपाल राव, ग्रुप वाइस चांसलर, बिट्स-पिलानी

अपने रोचक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान में प्रोफेसर राव ने देश में शोध एवं विकास के परिदृश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने देश में शोध एवं विकास कार्यों में निवेश बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए युवा वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे विकसित टेक्नोलॉजी को उत्पाद के चरण तक ले जाने की दिशा में भी कार्य करें, तभी वे उपयोगी सिद्ध होंगी।

की-नोट व्याख्यान देते हुए प्रोफेसर वेणुगोपाल अचंता,
निदेशक, सीएसआईआर-एनपीएल, नई दिल्ली

की-नोट व्याख्यान – 2

विषय : अपॉर्चुनिटीज़ फॉर सेमिकंडक्टर्स इन द नेशनल मिशन प्रोजेक्ट्स

वक्ता : प्रोफेसर वेणुगोपाल अचंता, निदेशक, सीएसआईआर-एनपीएल, नई दिल्ली

कार्यशाला के दौरान सभागार में उपस्थित सहकर्मी

तकनीकी सत्र

अध्यक्ष : प्रोफेसर रामगोपाल राव, ग्रुप वाइस चांसलर, बिट्स-पिलानी

कार्यशाला के आरंभ में कार्यशाला के संयोजक **डॉ सुचंदन पाल**, मुख्य वैज्ञानिक ने सीएसआईआर-सीरी में सेमिकंडक्टर क्षेत्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान में चल रही गतिविधियों की जानकारी दी।

आमंत्रित व्याख्यान - 1

विषय : डेवलपमेन्ट ऑफ गैलियम आर्सेनाइड एंड गैलियम नाइट्राइड बेस्ड फोटॉनिक डिवाइसेज़

वक्ता : डॉ तरुण शर्मा, राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र(आरआरकैट), इंदौर

आमंत्रित व्याख्यान - 2

विषय : मेकिंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमिकंडक्टर प्रोडक्ट नेशन

वक्ता : डॉ सत्य गुप्ता, सीईओ, एपिक फाउंडेशन

किसान मेला एवं समापन सत्र (दिनांक - 19.05.2023)

वन वीक वन लैब कार्यक्रम के दौरान दिनांक 19 मई, 2023 को किसान मेले का आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या में स्थानीय किसानों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर सीएसआईआर की लखनऊ स्थित राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला सीएसआईआर-सीमैप के निदेशक एवं प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डॉ प्रबोध कुमार त्रिवेदी मुख्य अतिथि तथा सीएसआईआर के संयुक्त सचिव (प्रशासन) श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता विशिष्ट अतिथि थे। इनके अलावा डॉ (श्रीमती) ऋतु त्रिवेदी, विज्ञान भारती – राजस्थान के सचिव डॉ मेघेन्द्र शर्मा, पर्यावरणविद डॉ अशोक कुमार आदि गणमान्य अतिथि भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

किसानों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि
डॉ प्रबोध कुमार त्रिवेदी, निदेशक, सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ

संस्थान के मुख्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि **डॉ प्रबोध कुमार त्रिवेदी** ने अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृतसंकल्प है और देश के वैज्ञानिक इसी दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहता है कि हम अपने शोध कार्यों से वास्तविक रूप से किसानों को लाभान्वित करें और शोध कार्यों को शोधपत्र तक ही सीमित न रखें बल्कि उन्हें वास्तविक रूप से उपयोग करते हुए धरती पर उतारें। अपने संबोधन में उन्होंने किसानों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि अब किसान भी तेजी से जागरूक हो रहे हैं और हमारे शोध कार्यों में सहभागी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि आय बढ़ाने के लिए कृषि उपज में भी विविधता बहुत जरूरी है। उन्होंने किसानों से परंपरागत फसलों के स्थान पर औषधीय और सगंध (खुशबू वाले) पौधों की खेती की शुरुआत करने का आह्वान किया।

समापन सत्र में विशिष्ट अतिथीय संबोधन देते हुए
श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता, संयुक्त सचिव, सीएसआईआर, नई दिल्ली

विशिष्ट अतिथि **श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता**, संयुक्त सचिव, सीएसआईआर ने इस कार्यक्रम को किसान मेला के साथ संपन्न करने के विचार और इसे मूर्त रूप देने के लिए डॉ पंचारिया और उनकी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उन्हें किसान मेले के माध्यम से अनुभवी और विशेषज्ञ व्याख्यानों से लाभान्वित करने के लिए आयोजक मंडल को भी साधुवाद दिया।

व्याख्यान के दौरान किसानों से चर्चा करते हुए
डॉ संजय कुमार, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ

इस अवसर पर सीएसआईआर-सीमैप, लखनऊ के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक **डॉ संजय कुमार** ने अपने रोचक और ज्ञानवर्धक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सभी किसानों को परंपरागत खेती और फसलों के स्थान पर अन्य लाभदायक औषधीय और सगंध (खुशबू वाले) पौधों की खेती के लाभों से अवगत कराया। उपस्थित किसानों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय प्रतिभागिता की और संवाद सत्र के दौरान प्रश्न पूछे। डॉ संजय

कुमार ने प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा शांत की और भविष्य में भी संपर्क करने पर सहयोग का आश्वासन दिया।

स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन देते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी, पिलानी

इससे पूर्व संस्थान के निदेशक **डॉ पी सी पंचारिया** ने अपने **स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन** में अतिथियों एवं उपस्थित किसानों को संस्थान द्वारा किसानों के लाभ के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। किसान मेले में आए किसानों और कृषि छात्र-छात्राओं को संस्थान द्वारा विकसित किए जा रहे प्रीसीजन कृषि अनुसंधान स्टेशन का भ्रमण कराया गया।

किसान मेला एवं समापन सत्र में सभागार में
उपस्थित अतिथिगण, किसान एवं सहकर्मी

अतिथियों को प्रीसीज़न कृषि प्रायोगिक स्टेशन का भ्रमण कराते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

संस्थान के सटीक (प्रीसीज़न)कृषि प्रायोगिक केंद्र का अवलोकन करते हुए
अतिथिगण, किसान एवं सहकर्मी

किसान मेला के संयोजक **डॉ मनीष मैथ्यु**, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने अनुसंधान स्टेशन की गतिविधियों के संबंध में अतिथियों एवं किसानों को जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ त्रिवेदी, विशिष्ट अतिथि श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता सहित किसान मेले के प्रतिभागी किसानों ने संस्थान के प्रयासों की सराहना की। किसानों को प्रयोगस्वरूप जरूरी एवं जलवायु के अनुरूप फसलों के कुछ बीज भी वितरित किए गए। मेले में किसानों की जानकारी के लिए सिचाई की विभिन्न पद्धतियों माइक्रो इरिगेशन, ड्रिप इरिगेशन सहित पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की जड़ी-बूटी और पौधों की नर्सरी एवं देसी बीज के कुछ स्टॉल भी लगाए गए थे।

डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने किसान मेले के आयोजन में सहयोग के लिए किसानों की संस्था 'चिड़ावा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी' के संस्थापक सदस्य और

कृषि उद्यमी श्री मुकेश मांजू तथा 'कृषि एवं ग्रामीण विकास संस्थान, पिलानी' के सचिव डॉ जयपाल सिह के प्रति आभार व्यक्त किया।

किसान मेला एवं समापन सत्र का संचालन करते हुए
श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

किसान मेला एवं समापन सत्र का संचालन करते हुए **श्री रमेश बौरा**, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी (प्रमुख, मीडिया एवं जनसंपर्क यूनिट) ने अतिथियों का संक्षिप्त परिचय दिया।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए श्री जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक

अंत में प्रशासन नियंत्रक **श्री जय शंकर शरण** ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए सभी अतिथियों एवं किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन **राष्ट्र गान** से हुआ।

वन वीक वन लैब कार्यक्रम के दौरान अन्य आयोजन

✓ **विज्ञान गांव की ओर कार्यक्रम के अंतर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण**

दिनांक 15 मई, 2023 को प्रात:कालीन सत्र में स्कूली छात्र-छात्राओं एवं महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें पसीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ के वैज्ञानिकों डॉ श्वेता सिह और डॉ अनिल बत्रा ने प्रशिक्षार्थियों को प्रर्यावरण का महत्व बताते हुए उसके संरक्षण के बारे में बताया और फूल-पत्तियों एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थो (वेस्ट मटीरियल्स) से बधाई कार्ड आदि बनाने की जानकारी दी।

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के कुछ चित्र

✓ **विद्यार्थियों का संस्थान में शैक्षणिक भ्रमण**

एक सप्ताह – एक प्रयोगशाला(वन वीक – वन लैब) कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विद्यालयों/कॉलेजों के विद्यार्थियों एवं अन्य आगंतुकों को विज्ञान सग्रहालय एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी के माध्यम से संस्थान के शोध कार्यक्रम एवं गतिविधियों की जानकारी दी गई।

विद्यार्थियों एवं अन्य लोगों को संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी देते हुए वैज्ञानिक एवं अन्य

✓ सांस्कृतिक संध्या

संस्थान में आयोजित किए गए एक सप्ताह – एक प्रयोगशाला (वन वीक – वन लैब) कार्यक्रम के दौरान दिनांक 15 मई, 2023 को **सांस्कृतिक संध्या** का आयोजन किया गया जिसमें **डेज़र्ट चौपाटी, झुंझुनूं (राजस्थान)** के कलाकारों ने अपने गीतों व राजस्थानी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से संस्थान के मुख्य सभागार में उपस्थित अतिथियों, सहकर्मियों एवं उनके परिजनों का मनोरंजन किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि **श्रीमती सीमा पंचारिया** ने कलाकारों को **स्मृति चिह्न** भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन **सुश्री चांदनी दीक्षित** ने किया।

सांस्कृतिक संध्या में रंग बिखेरते कलाकार

वन वीक – वन लैब कार्यक्रम : समाचार पत्रों की नज़र से

राजस्थान पत्रिका
झुंझुनूं पत्रिका
बिट्स और सीरी मिलकर करेंगे कार्य, जल्द होगा एमओयू: डॉ राव

दैनिक भास्कर
शेखावाटी भास्कर
डॉ. चंद्रशेखर वेदा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित
सीरी में वन वीक वन लैब कार्यक्रम में माइक्रोवेव टैक्नोलॉजीज पर कार्यशाला आयोजित

दैनिक भास्कर
शेखावाटी भास्कर
एआई मिशन के नेतृत्व में सीएसआईआर तैयार सीरी की होगी महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. शांतनु

दैनिक भास्कर
शेखावाटी भास्कर
'कोलपोस्कोप' से होगी सर्वाइकल कैंसर की जांच, यह वजन में हल्का और साइज इतनी कि बैग में ले जा सकेंगे

दैनिक भास्कर
शेखावाटी भास्कर
हाथ से चलने वाली ट्राई साइकिल अब बैटरी से चलेगी, कीमत भी इलेक्ट्रिक से कम

राजस्थान पत्रिका
फैब्रिकेशन प्रयोगशालाओं से होगा देश में क्रांतिकारी परिवर्तन

मृदुल पत्रिका
कृषि उपज में विविधता अपना कर उद्यमी बन सकते हैं किसान: डॉ पीके त्रिवेदी

राजस्थान पत्रिका
परंपरागत फसलों की जगह औषधीय व खुशबू वाले पौधों की करें खेती, विविधता से आय बढ़ेगी: डॉ. त्रिवेदी